https://www.upboardonline.com

अनुक्रमांक .....

नाम .. ..

Pre Board Examination, 2021
सामान्य हिन्दी
कक्षा–12

B-XII–सामान्य हिन्दी

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

निर्देश–प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

1. (क) 'कला और संस्कृति' के लेखक हैं– 1
(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम
(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (iv) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) 'निम्नलिखित में से कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की रचना है– 1
(i) 'उरुज्योति' (ii) 'अग्नि की उड़ान'
(iii) महके आँगन चहके द्वार' (iv) 'मेरे विचार'

(ग) 'बाणभट्ट कर आत्मकथा' किस विधा की रचना है– 1
(i) निबन्ध (ii) उपन्यास (iii) रेखाचित्र (iv) आत्मकथा

(घ) निम्न में से हरिशंकर परसाई का निबन्ध-संग्रह है– 1
(i) 'विचार' प्रवाह' (ii) 'प्रस्तुत प्रश्न'
(iii) 'पृथिवीपुत्र' (iv) 'तब की बात और थी'

(ङ) 'भाषा और आधुनिकता' के लेखक हैं– 1
(i) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी (ii) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल
(iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम (iv) प्रो० जी सुन्दर रेड्डी

2. (क) 'अज्ञेय' की की रचना है– 1
(i) कुरुक्षेत्र (ii) हरी घास पर क्षण भर
(iii) रश्मिरथी (iv) हुकार

(ख) रीतिमुक्त कवि हैं– 1
(i) बिहारी (ii) भूषण (iii) केशव (iv) घनानन्द

(ग) हिन्दी साहित्य के किस काल को पूर्व मध्यकाल कहा जाता है– 1
(i) आदिकाल (ii) भक्तिकाल (iii) रीतिकाल (iv) आधुनिककाल

(घ) सुमित्रानन्दन पन्त को 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' मिला था– 1
(i) 'लोकयतन' पर (ii) कला और बूढ़ा चाँद' पर
(iii) 'चिदम्बरा' पर (iv) 'अतिमा' पर

(ङ) 'कामायनी' में सर्गों की संख्या कितनी है– 1
(i) बारह (ii) चौदह (iii) पन्द्रह (iv) सत्रह

3. **दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–5 × 2 = 10**

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामन्त-सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उखड़ गए, समाज ढह गए, और दिनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई। सन्तान-कामिनियों को गन्धर्वों से अधिक शक्तिशाली देवताओं का वरदान मिलने लगा–पीरों ने, भूत-भैरवों ने, काली-दुर्गा ने यक्षों की इज्जत घटा दी। दुनिया अपने रास्ते चली गई, अशोक पीछे छूट गया।

P.T.O.

https://www.upboardonline.com

प्रश्न–(क) गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) सामन्ती-सभ्यता की परिष्कृत रुचि का प्रतीक कौन है?
(घ) "अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो" इस वाक्यांश में किस रहस्य की ओर संकेत किया गया है?
(ङ) प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार सामन्त क्यों उखड़ गए?

अथवा

नवीनीकरण में कितना ही प्रशस्त कार्य क्यों न हुआ हो, उस प्रक्रिया में यह भूलना नहीं चाहिए कि भाषा का मुख्य कार्य सुस्पष्ट अभिव्यक्ति है। यदि सुस्पष्टता एवं निर्दिष्टता से कोई भी भाषा वंचित रहे तो वह भाषा चिरकाल तक जीवित नहीं रह सकेगी। नए शब्दों के निर्माण में भी यही बात सोचनी चाहिए। इस सन्दर्भ में यह भी याद रखना चाहिए कि हम पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर उस शब्द की मूल आत्मा तथा सार्थकता पर उन्मुक्त विचार कर सकें। अंग्रेजी भाषा शासकों की भाषा रही और भाव-दासता की निशानी है–ऐसा सोचकर यदि हम नए शब्दों का निर्माण करने में लग जायँ तो नुकसान हमारा ही होगा, अंग्रेजों का नहीं। उर्दू में प्रयुक्त अरबी और फारसी के शब्दों को, जो इस्लाम धर्म को ज्ञापित करने वाले हैं, हिन्दी वाले त्यागना आरम्भ करें तो हिन्दी-भाषा सहज भाषा न रहकर एकदम बनावटी बनेगी।

प्रश्न–(क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) नवीनीकरण की प्रक्रिया में क्या नहीं भूलना चाहिए।
(घ) कौन-सी भाषा चिरकाल तक जीवित नहीं रह सकेगी?
(ङ) हम किसी शब्द की मूल आत्मा तथा सार्थकता पर उन्मुक्त विचार किस प्रकार कर सकेंगे?

4. **दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये–5 × 2 = 10**

कहते आते थे यही अभी नरदेही,
'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही।'
अब कहें सभी यह हाय! विरुद्ध विधाता,–
'हे पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता।'

प्रश्न–(क) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या/भावार्थ कीजिए।
(ग) "कहते आते थे यही अभी नरदेही, माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही।" इस पंक्ति के माध्यम से कैकेयी ने क्या कहा है?
(घ) कैकेयी के अनुसार उनसे हुआ पाप किसने कराया?
(ङ) 'नरदेही' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सावधान मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार।
हो चुका है सिद्ध तू शिशु अभी अज्ञान;
फूल काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान,
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगी अंग तीखी है बड़ा यह धार।।

प्रश्न–(क) विज्ञान को तलवार क्यों कहा गया है?
(ख) मनुष्य को शिशु और अज्ञान क्यों बताया गया?

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(ग) यहाँ मानव को क्या सन्देश दिया गया है?
(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ङ) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके कवि का नाम लिखिए।

5. **(क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए—(शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)** 3+2=5
(i) वासुदेव शरण अग्रवाल (ii) डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
(iii) डॉ. हमारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए—(शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) 3+2=5
(i) सुमित्रानन्दन पन्त (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' (ii) महादेवी वर्मा

6. 'पंचलाइट' कहानी के उद्देश पर प्रकाश डालिए। 5

अथवा

'धुवयात्रा' कहानी के कथानक की विवेचना कीजिये।

7. अपने पठित खण्डकाव्य की कथावस्तु/कथानक पर संक्षेप में प्रकाश डालिये। 5

अथवा

अपने पठित खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिये।

खण्ड 'ख'

8. **(क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये—** 2+5=7

संस्कृस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशी सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत्।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन। मत्स्या आनन्दमत्स्यं, शकुनयः सुवर्ण हंसम्। तस्य पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत। स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्चित्तरुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति।

(ख) दिये गये पद्यांशों/श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2+5=7

निन्दुन्तु नीतिनिपुणाः यदि व स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः।।

अथवा

प्रजानां विनयाधानाद् रक्षणाद् भरणादपि।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः।।

9. **निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्यों प्रयोग में प्रयोग कीजिए—** 1+1=2
(क) ऊँट के मुँह में जीरा (ख) ऐसी-तैसी करना
(ग) अन्धों में काना राजा (घ) जैसा देश वैसा भेष

P.T.O.

https://www.upboardonline.com

10. (क) (i) 'ममतालय' का सन्धि-विच्छेद है— 1
(अ) मम +तालयः (ब) ममता + लयः
(स) ममता + आलयः (द) ममताल + लः
(ii) 'भानूदयः' का सन्धि-विच्छेद है— 1
(अ) भानू + उदय (ब) भानु + उदयः
(स) भानु + ऊदयः (द) भानू + दयः
(iii) 'विष्णवे' का सन्धि-विच्छेद है—
(अ) विष्णु+वे (ब) विष्णु + ए (स) विष्णो + ए (द) विष्णुः + ए

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द में विभक्ति और वचन बताइये— 1+1=2
(अ) आत्मनाम् (ब) नामनि (स) नाम्नि (द) आत्मने

11. **(क) निम्नलिखित शब्द युग्मों का सही उत्तर चुनकर लिखिये—**
(i) अङ्कुश-अङ्कुस— 1
(अ) बदनामी और बुराई (ब) कीर्ति और प्रसिद्धि
(स) बदनामी और लोहा (द) लोहा और इस्पात
(ii) नीर-नीड़— 1
(अ) नारी और जड़ (ब) जड़ और नारी
(स) घोंसला और जड़ (द) जल और घोंसला

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिये— 1+1=2
(अ) अनुपम (ब) काल (स) पानी (द) गुरु

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यांशों/शब्द समूहों के लिये एक-एक शब्द लिखिये— 1+1=2
(अ) जिसे काटा न जा सके (ब) अच्छी तरह सीखा हुआ
(स) जिसे कोई जीत न सका हो (द) मध्यरात्रि का समय

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए— 1+1=2
(i) विद्यालय का चारदीवारी टूटा है। (ii) मेरा प्राण संकट में है।
(iii) मेरे को पुस्तक चाहिये। (iv) रोटी मोहन ने खाई।

12. (क) **'करुण'** अथवा **'हास्य रस'** की परिभाषा व उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ख) **'उपमा'** अथवा **'रूपक'** अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ग) **'दोहा'** अथवा **'कुण्डलिया'** छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 2

13. दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर संविदा सफाई-कर्मी पर पद नियुक्ति हेतु सम्बन्धित जनपद के जिला अधिकारी को एक आवेदन-पत्र लिखिये। 6

अथवा

ग्राम प्रधान की ओर से अपने जिले के जिलाधिकारी के नाम एक पत्र लिखिये, जिसमें अपने गाँव की सफाई व्यवस्था ठीक कराने हेतु निवेदन किया गया हो।

14. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए—** 9
(क) शिक्षित बेरोजगारी की समस्या (ख) दूर-संचार में क्रान्ति
(ग) भारत में कम्प्यूटर का महत्व (घ) साहित्य समाज का दर्पण है।
(ङ) मानव जीवन में योग शिक्षा का महत्व।

https://www.upboardonline.com